F-11

Date - 21/05/2020

Appointment

* दृश्य - श्रव्य साधनों की उपयोगिता (महत्व)

दृश्य - श्रव्य साधनों के उपयोग के द्वारा पठन - पाठन प्रक्रिया को सरल, रुचि-पूर्ण एवं प्रभावशाली बनाया जा सकता है।

* 1. दृश्य - श्रव्य साधन छात्रों में सीखने के प्रति रुचि एवं उत्साह उत्पन्न करते हैं।
* 2. दृश्य श्रव्य उपकरण छात्रों को वास्तविक उचित एवं पूर्ण ज्ञान प्रदान करने में सहायक हैं।
* 3. छात्रों का ध्यान आकर्षित करने में सहायक है।
* 4. ये उपकरण कक्षा में पढ़ाई का उचित वातावरण बनाये रखने में सहायक हैं।
* 5. अध्यापक के समय, शक्ति, आदि की बचत करते हैं।
* 6. अध्यापक के कक्षा में न होने पर भी शिक्षा प्रदान करने मे सहायक है।

इस प्रकार हमने देखा कि दृश्य - श्रव्य उपकरणों का पठन - पाठन प्रक्रिया में बहुत अधिक महत्व है परंतु अध्यापक को स्पष्ट रूप से ज्ञात होना चाहिए कि कब कहाँ और कैसे इनको प्रयोग करना है। तभी वह इन संसाधनों का प्रयोग उचित प्रकार से कर सकेगा।

29 Sunday

1. पुस्तक :- पुस्तके विषय / वस्तु को विधिवत प्रस्तुत करने में सहायक होती है। चित्रकला विषय में भी पुस्तक का महत्व है। कला का इतिहास पुस्तक के माध्यम से छात्रों तक पहुँचाया जा सकता है। पुस्तक में लिखी सामग्री के साथ

Today's Priority

Scanned with CamScanner

	1	2	3	4	30						1
6	7	8	9	10	11	2	3	4	5	6	7	8
13	14	15	16	17	18	9	10	11	12	13	14	15
20	21	22	23	24	25	16	17	18	19	20	21	22
27	28	29	30	31		23	24	25	26	27	28	29

F-11

Date:- 21/05/2020

Appointment

- साथ छपे हुए चित्रों की सहायता से छात्र सरलतापूर्वक ज्ञान अर्जित कर लेता है।

अच्छी पुस्तकों के निम्नलिखित गुण होते हैं,—

* 1. विषय सामग्री छात्रों की आवश्यकता, रुचि, योग्यता एवं कक्षा के स्तर के अनुसार होनी चाहिए।

* 2. प्रत्येक पाठ के अन्त में उचित अभ्यास प्रश्न होने चाहिए।

* 3. पुस्तक में विभिन्न प्रकार के विषयों पर आधारित पाठ देने चाहिए।

* 4. पुस्तक में बने चित्र आकर्षक, बड़े आकार में एवं स्पष्ट होने चाहिए।

* 5. पुस्तक में अक्षरों की छपाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

Scanned with CamScanner